ओमशान्ति। रूहानी बाप बैठ रूहानी बच्चों को समझाते हैं। यह तो जरूर बच्चे समझते हैं कि हम ब्राह्मण देवता बन जावेंगे। यह तो पक्का निश्चय है ना। जिसको टीचर पढ़ाते हैं जरूर आप समान बनाते हैं। यह तो निश्चय की बात है ना। कल्प2 बाप आकर समझाते हैं, हम नर्कवासियों को आकर स्वर्गवासी बनाते हैं। सारी दुनिया को बनाने वाला कोई तो होगा ना। बाप स्वर्गवासी बनाते हैं, रावण नर्कवासी बनाते हैं। इस समय रावण का राज्य। और सतयुग में है रामराज्य। रामराज्य की स्थापना करने वाला है तो जरूर रावण राज्य का भी स्थापना करने वाला होगा नाकि राम भगवान को कहा जाता है। भगवान नई दुनिया की स्थापना करते हैं। यह तो बहुत सहज है। कोई बड़ी बात नहीं। परन्तु पत्थर बुधि ऐसे हैं जो पारस बुधि बनना ही असम्भव। नर्कवासी से स्वर्गवासी बनने में बड़ी मेहनत लगती है। क्योंकि माया का प्रभाव है कितने बड़े2 मकान 50 मारे, 100 मारे की बनाते हैं। स्वर्ग में कोई इतनी मारी आद बनते ही नहीं। आजकल यह बनाते रहते हैं बड़ी2 कोठियां। तो मनुष्य समझते हैं सतयुग में भी ऐसे मकान नहीं होते जैसे हम यहां बनाते हैं। बाप खुद समझाते हैं इतने झाड़ सारे विश्व पर होता है तो वहां मारियां आद बनाने की कोई दरकार ही नहीं। ढेर जमीन पड़ी रहती है। यहां तो जमीन है नहीं। इसलिए जमीन का कितना दाम बढ़ गया है। वहां तो जमीन का भाव लगता ही नहीं। न म्युनिसपल टैक्स आद लगता है। जिसको जितनी जमीन चाहिए ले सकते हैं। वहां तुमको सभी सुख मिल जाते हैं। सिर्फ बाप की इस नालेज से। मनुष्य 100 मारियां आद बनाते हैं उस में भी पैसा तो लगता है ना। वहां पैसे किस परलगता ही नहीं। अथाह धन रहता है। पैसे का कदर नहीं। ढेर पैसे होंगे तो क्या करेंगे। सोनेकी, हीरों की, मोतियों की महल बनाते हैं। अभी तुम बच्चों को कितनी समझ मिली है। समझ बेसमझ की ही बात है। सतो और तमोप्रधान बुधि। सतोप्रधान बुधि स्वर्ग के मालिक तमोप्रधान बुधि नर्क के मालिक। यह तो स्वर्ग नहीं है। यह है रौरव नर्क। बहुत दुःखी हैं। इसलिए समीपुकारते हैं भगवान को। कहते भी हैं फिर भूल भी जाते हैं। कितना माथा मारते कानफ्रेन्स आद करते रहते हैं। कि एकता हो। परन्तु बच्चे समझते हैं फूट वाले तो आपस में मिल न सकें। यह सारा झाड़ जड़ जड़ीभूत है। फिर नया बनना है। तुम जानते हो कलियुग से सतयुग कैसे बनता है। यह नालेज अभी तुमको बाप समझाते हैं। सतयुग वाले सो फिर कलियुग वाले बनते हैं। तुम फिर संगम युग वासी बन सतयुग वासी बनते हो। कहेंगे इतने सभी सतयुग में जावेंगे? नहीं। जो बच्चे सत्य ना0 की कथा सुनेंगे वही स्वर्ग में जावेंगे। बाकी सभी शान्तिधाम में चले जावेंगे। दुःख धाम और तो होगा ही नहीं। तो इस दुःखधाम को जीते जी तलाक दे देना चाहिए। बाप युक्ति तो बतलाते हैं कि तुम तलाक दे सकते हो। इस सारी सृष्टि पर इन देवी देवताओं का राज्य था। अभी फिर बाप आये स्थापना करने। हम उस बाप से विश्व का राज्य ले रहे हैं। ड्रामा प्लेन अनुसार चेंज जरूर होनी है। पुरानी दुनिया का विनाश नई दुनिया की स्थापना। यह तो होता ही है। यह है ही पुरानी दुनिया। इनको कलयुग कहेंगे। मनुष्य ऐसे पत्थर बुधि हैं जो बिल्कुल समझते ही नहीं कि सतयुग क्या होता है। कलयुग क्या होता है। अगर समझ जाना कर देना चाहिए। टाईम वेस्ट न करना चाहिए। बाबा ने समझाया है इस नालेज को लेने लायक वही हैं जिन्हों ने बहुत भक्ति की है। उनको ही उठाना चाहिए। बाकी जो उस कुल के होंगे ही नहीं वह आयेंगे ही नहीं। जैसे कल एक बच्ची ने एक से बैठ माथा मारा। उसने समझा कुछ भी नहीं। अन्त में कहा मैं कुछ भी समझने वाला नहीं हूं। तो फिर ऐसे टाईम वेस्ट क्यों करना चाहिए। हमारे घराने का ही नहीं है तो आयेंगे भी नहीं। बोला आत्मा क्या है परमात्मा क्या है यह मैं समझ ही नहीं सकता हूं। तो ऐसे साथ मेहनत करनी चाहिए। जिसकी प्रीत बाबा की मना है। और आत्मा के लिए भी अक्सर पूछते हैं। इसलिए बाबा ने कल ही कहा हर चित्र के ऊपर में लिख दो भगवानुवाच। मैं आत्मा ही कल्प2 के पुरुषोत्तम संगम युग पर हूं और प्रवेश मनुष्य तन में। जो अपने जन्मों को नहीं जानते हैं। मैं बतलाता हूं। पूरे 5000 वर्ष आयु (अर्थात पार्ट)

नम्बर में
कसके होते हैं हम बतादेते हैं। जो पहले नम्बर में आये हैं उनका ही पार्ट होगा ना। श्री कृष्ण की महिमा
तो गाते हैं। फर्स्ट प्रिन्स आफ सतयुग। वही फिर 84 जन्मों बाद क्या होगा फर्स्ट बेगर। बेगर टु प्रिन्स। फिर प्रिन्स
टु बेगर। तुम समझते हो प्रिन्स टु बेगर कैसे बनते हैं। फिर बाप आकर कौड़ी से हीरे जैसा बनाते हैं। जो
हीरे जैसा है वही फिर कौड़ी जैसे बनते हैं। पुनर्जन्म तो लेते हैं ना। सब से बहुत जन्म कौन लेते हैं। सबसे
बहुत जन्म कौन लेते हैं यह तुम समझते हो। पहले2 तो श्रीकृष्ण को ही मानेंगे। उनकी राजधानी है। बहुत जन्म
भी उनके होंगे। यह तो बहुत सहज बात है। परन्तु मनुष्य पत्थर बुधि होने कारण इन बातों पर ध्यान
नहीं देते हैं। बाप समझाते हैं तो बन्डा खाते हैं। बाप बिल्कुल ठीक बताते हैं। फर्स्ट सो लास्ट। फर्स्ट हीरे जैसा
लास्ट कौड़ी जैसा। फिर हीरे जैसा बनना है। पावन बनना है। इसमें तकलीफ क्या है। सिफ्लोकिक बाप को
जो विष का वर्सा मिलता है वह छूटता है। पारलौकिक बाप उनके लिए आर्डीनेन्स निकालते हैं काम महाशत्रु है
तुम पतित किससे बने हो। विकार में जाने से। इसलिए बुलाते भी हैं पतित पावन आओ। क्योंकि बाप तो
स्वयं पारस बुधि है। वह कब पत्थर बुधि नहीं बनते हैं। कनेक्शन ही उनका और पहले जन्म वालों का हुआ।
देवताओं तो बहुत होते हैं। डीटीज्म है ना। परन्तु पत्थर बुधि कुछ भी समझते नहीं। तमोप्रधान बुधि मनुष्य
हैं ना। क्रिश्चन लोग कहते हैं क्राईस्ट को 3000 वर्ष पहले पैराडाईज था। वह फिर भी पिछाड़ी को आये हैं
ना। तो उनकी ताकत है। उन से ही सब सीखने जाते हैं। क्यों कि उन्हों की फ्रेश ताजी बुधि है बुधि
भी उन्हों की है। सतो रजो तमो में आते हैं ना। तुम देखते हो सब कुछ विलायत से ही सीखते हैं
यह भी तुम जानते हो सतयुग में मील आद बनने में कोई टाईम नहीं लगेगा। एक के बुधि में आया
तो फिर बुधि होती जाती है। एक मकान बना तो फिर अनेकानेक बनते जाते हैं। बुधि आ जाता है ना। सायंस
वालों की बुधि तुम्हारे ऊंच हो जाती है। झट महल बनाते हैं। यहां मकान आद बनाने में 12मास लग जाते
हैं। वहां तो ईजीनियर आद होशियार होते हैं। वह है ही गोल्डेन एज। पत्थर आद तो होंगे ही नहीं। अभी तुम
बैठे हो ख्याल करते होवें हम यह पुरानी शरीर छोड़ेंगे फिर अपने घर में जावेंगे। वहां से फिर सतयुग में योग
से जन्म लेंगे। बच्चों को खुशी नहीं होती? चिन्तन नहीं चलता? जो मोस्ट सर्विस एबुल बच्चे हैं उन्हों का ही चिन्तन
चलता होगा। जैसे बैरिस्टरी पास करते हैं तो बुधि में चलता है ना हम यह करेंगे यह करेंगे। तुमभी समझते
हम शरीर छोड़जाकर यह बनेंगे। याद से ही तुम्हारी आयु बृधि को पावेंगी। अभी तो बेहद के बाप के बच्चे
हो। यह ग्रेड बहुत ही ऊंची है। तुम ईश्वरीय परिवार के हो। उनका और कोई भी सम्बन्ध नहीं है। बहन भी
से भी ऊंच चढ़ाई दिया है। भाई2 समझो। यह बहुत ही प्रैक्टीस करनी पड़ती है। तुम्हारे भाई का निवास क
है इस तख्त पर अकाल आत्मा रहता है। यह तख्त सभी आत्माओं की सट गई है। सब से जाप्ता तुम्हारा तख्त
खड़ा है। आत्मा इस तख्त में विराजमान होती है। भृकुटि के बीच में बैठा है। अभी तुम समझते हो यह बुधि
समझने की बातें हैं। आत्मा बिल्कुल ही सूक्ष्म है। स्टार मिशल है। बाप भी कहते हैं मैं भी बिन्दी हूं। मैं
सूक्ष्म से बड़ा थोड़े ही हूं। आत्मा एक ही है। जहां घर में तुम आत्माएं रहते हो वहां मैं भी रहता हूं। तुम
जानते हो हम शिव बाबा के सन्तान हैं। अभी बाप से वर्सा लेना है। इसलिए अपन को भाई2 समझो। बाप
को सम्मुख पढ़ा रहे हैं। कल्प2 ऐसे ही सम्मुख आकर पढ़ाते हैं। विघ्न भी कितने सहन करने पड़ते हैं। कि
वान्धोलियां हैं। आगे चल कर और ही कशिश होते जावेंगे। यह विघ्न भी ड्रामा अनुसार पड़ती है। यह
द्रौपदी और दुशासन की दुनिया है ना। आधा कल्प की हेरे पड़ी हुई है नंगन होने की। अभी बाप कहते हैं
तुमको नंगन नहीं होना है। यह आर्डीनेन्स है। अभी तो और ही तमोप्रधान बन पड़े हैं। विष विगर रह न
सकते हैं। गवर्मेन्ट कहती है शराब न पीओ। फिर उनको शराब पिलाये डायरेक्शन देते हैं बम्स सहित कि
कितना नुकसान होता है। तुम यहां बैठे2 विश्व का मालिक बनते हैं। वह फिर वहां बैठे बम्स छोड़ते हैं

का विनाश के लिए। कैसी चटावेटी है। तुम यहां बैठे2 बाप को याद करते हो। और विश्व का मालिक हो। कैसे भी करके बाप को याद जरूर करना है। इसमें हठयोग आद करने आसन आद लगाने की भी नहीं। बाबा कोई तकलीफ नहीं देते हैं। कैसे भी बैठो। सिर्फ याद करो। तुम मोस्ट बिलवेड बच्चे हो। तुमको शाही ऐसे मिलती है जैसे मंझन से वास्ता गाते भी हैं सेकण्ड में जीवन मुक्ति। कहां भी बैठो घूमो फिरो को याद करो। पवित्र होने फिर जावेंगे कैसे। नहीं तो सजा खानी पड़ेगी। लेखा सभी का उतरेगा जब धर्मराज जावेंगे। सभी का हिसाब चुकतु होना है। फिर मोया भी खावेंगे मानी भी टूकड़ मिलेगा। जितना पवित्र उतना ही ऊंच पद पावेंगे। अपवित्र रहेंगे तो सूखा हुआ रोटी खावेंगे। जितना बाप को याद करेंगे उतना कटेंगे। इसमें खर्चा आद की कोई बात नहीं। मल घर में बैठो रहो बाप से यह मंत्र लो। यह है माया को करने का मंत्र। मन्मनाभव। यह मंत्र मिला फिर मल घर जाओ। मुख से भी कुछ बोला नहीं। अलफ और बे। बादशाही को याद करो। तुम समझते हो बाप को याद करने से हम सतोप्रधान बन जावेंगे। पाप कट जावेंगे। बाबा अपना अनुभव भी सुनाते हैं। भोजन पर बैठता हूं अच्छा हम बाबा को याद कर खाते हैं। फिर झट भूल जाता। क्योंकि गाया जाता है जिनके माथे मामला... बाबा के पास तो बहुत ही समाचार आते हैं। कितना ख्याल रखना पड़ता है। फलाने की आत्मा बहुत ही सर्विस करती है। उनको ही याद करना है। सर्विस एबुल बच्चों को बाप बहुत ही प्यार करते हैं। तुमको भी कहते हैं इस शरीर में जो भी आत्मा विराजमान है उनको ही याद करो। यहां तुम आते ही हो शिव बाबा के पास। बाप यहां से नीचे आये हैं। तुम सभी को कहते हैं भगवान आया परन्तु पतीत बुद्धि ऐसे समझेंगे नहीं। युक्ति से बताना पड़े। हद का और बेहद का दो बाप हैं। अभी बेहद का बाप राजाई दे रहे हैं। पुरानी दुनिया का विनाश भी सामने खड़ा है। एक धर्म की स्थापना अनेक धर्मों का विनाश बाप करा रहे हैं। बाप कहते हैं मामेकं याद करो तो तुम्हारे पाप भस्म होंगे। यह योग अग्नि है। जिससे तुम तमो प्रधान से सतोप्रधान बन जावेंगे। यह तरीका बाप ने ही बताया है। बाकी तो शास्त्र आद सभी हैं भक्ति मार्ग के। यह कोई भी नहीं जानते। ज्ञान से सतयुग त्रेता दिन, भक्ति से रात होता है। अभी तो घोर अंधियारा। भक्ति से सीढ़ी उतरते जाते हैं। एक भी कोई वापस गया नहीं है। यह तो गपोड़ा मारते रहते हैं। फलाना स्वर्ग गया। ज्योति ज्योत समाया। सदगति देनेवाला तो एक भी गुरु है नहीं। सदगति देने वाला है एक। बाकी दुर्गति के लिए अनेक हैं। कितने तुम्हारे गुरु हैं। फिर एक गुरु छोड़ दूसरा करते तीसरा करते हैं। मिलता कुछ भी नहीं है। तुम बच्चे जानते हो बाप सभी को गुल2 बनाकर नयनों पर बिठा कर ले जाते हैं। कौन से नयन? ज्ञान की। आत्माओं को ले जाते हैं। समझते हो जाना तो जरूर है। उनसे पहले क्यों नहीं बाप से वर्सा लेवें। कमाई भी बहुत भारी है। बाप को भूलने से फिर घाटा भी बहुत है। पक्के व्यापारी बनो। बाप को याद करने से ही आत्मा पवित्र बनेगी। तो बाप कहते हैं मीठे2 बच्चों देही अभिमानी बनो। यह टैव पक्की डालनी पड़े। अपने को आत्मा समझ बाप से पढ़ते रहो। तो बेड़ा पार हो जावेगा। वेश्यालय से शिवालय में चले जावेंगे। चन्द्रकांता वेदान्त में भी यह कथा है। वोट कैसे चलती है फिर बीच में उतरते हैं। कोई चीज में दिल लग जाती है स्टीमर चला जाता है।.... यह सभी बातें शास्त्रों में लिखी हुई है। यह भक्ति मार्ग के शास्त्र फिर भी बनेंगे। तुम पढ़ेंगे। फिर जब बाबा आवेंगे तो यह सब छोड़ देंगे। बाप आते ही हैं सब को ले जाने। 84 का चक्र भी तो समझा दिया है। बिल्कुल सहज बात है। भारत का उत्थान और पतन कैसे होता है। कितना क्लीयर है। यह वह बनते हैं वह यह बनते हैं। तुम क्लीयर लिख दो। यही सांवरा वही फिर गोरा बनता है। ब्रह्मा तो विष्णु, विष्णु तो ब्रह्मा। एक तो सिर्फ नहीं बनता है ना। यह सारी समझानी है। गोरा और सांवरा। स्वर्ग में जाते हैं तो नम्बर को लात मारते हैं। चित्र में क्लीयर है ना। तुम सभी कारीगर चित्र बनावें? राजाई के चित्र तुम्हारी बनाई। बड़ी लाटरी मिलने, सेवर्य बन पड़े तो छोड़ दिया। अच्छा मीठे2 रूहानी बच्चों को रूहानी बाप व दादा की याद प्यार गुडमार्निंग। रूहानी बच्चों को रूहानी बाप का नमस्ते। नमस्ते।

*:***:*